



## कॉटनवूल डॉक्टर

**Author:** Michelle Matthews

**Illustrator:** Jean de Wet

**Translator:** Arvind Gupta

पठन स्तर २





आज से लगभग 200 साल पहले, मारगारेट ऐन बल्कली नाम की एक लड़की थी. मारगारेट, ग्रेट-ब्रिटेन नाम के देश में, आयरलैंड के ठंडे, हरे इलाके में रहती थी.

मारगारेट चतुर और जिज्ञासु थी. मारगारेट ने बड़े सपने संजोए थे. मारगारेट बहादुर थी और वो हमेशा गलत चीज़ों के खिलाफ लड़ती थी.





मारगारेट के माता-पिता ने उसके भाई की, वकालत की पढ़ाई का खर्चा उठाया. उन्होंने अपनी अंतिम पूँजी भी खर्च की ताकि उनका बेटा किसी अमीर आदमी की बेटी से शादी कर सके.

मारगारेट चतुर थी और उसने बड़े सपने संजोए थे. लेकिन अब घर में उसकी पढ़ाई के लिए कोई पैसा नहीं बचा था. वो अब टीचर या नर्स भी नहीं बन सकती थी.

मारगारेट बहादुर थी. "मैं एक डॉक्टर बनना चाहती हूँ!" उसने कहा. परन्तु दो सौ साल पहले, कोई भी लड़की वकील, राजनेता या डॉक्टर नहीं बन सकती थी.





मारगारेट के चाचा एक प्रसिद्ध चित्रकार थे. उनका नाम था जेम्स बैरी.

जेम्स बैरी के एक मित्र थे -  
वेनेजुएला के जनरल मिरांडा.  
जनरल मिरांडा की एक लाइब्रेरी थी  
- बेहद सुंदर और बहुत बड़ी. उनके  
पुस्तकालय में 6000 से अधिक  
पुस्तकें थीं!

"मैं इस किताब को पढ़ना चाहती  
हूँ! और इसे भी! और इसको भी!"  
मारगारेट ने कहा. मारगारेट चतुर  
और जिज्ञासु थी. जनरल मिरांडा  
उससे बहुत प्रभावित हुए.





चाचा जेम्स बैरी की मृत्यु के बाद मारगारेट को कुछ धन मिला. "डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए इतने पैसे पर्याप्त होंगे!" जनरल मिरांडा ने कहा.

"लेकिन मैं डॉक्टर नहीं बन सकती हूँ," मारगारेट ने कहा.

"देखो, कोई भी लड़का डॉक्टर बन सकता है," जनरल मिरांडा ने कहा. "इसलिए अगर चाहो तो तुम भी लड़कों के कपड़े पहन सकती हो."

मारगारेट बहादुर थी और उसका जिसमें विश्वास था वो उसके लिए संघर्ष करती थी. वो सच में एक डॉक्टर बनना चाहती थी. इसलिए उसने अपने बाल काट दिए. उसने गहरी आवाज में बोलने का अभ्यास किया. उसने लड़कों के कपड़े पहने. फिर किसी तो यह नहीं पता चला कि मारगारेट एक लड़की थी. अपने चाचा की तरह ही वो, जेम्स बैरी बन गई.





जेम्स बैरी एक मेहनती मेडिकल छात्र था. उसने 13 विषय चुने और गर्मियों भर उनकी जमकर पढ़ाई की. उस समय बाकी छात्र छुट्टियां मना रहे थे.

लेकिन पांच साल बाद, जेम्स बैरी को अपनी अंतिम परीक्षा लिखने का मौका नहीं मिला. जांच करने वाले परीक्षकों को जेम्स बैरी की उम्र बहुत कम लगी! जेम्स बैरी की कोई दाढ़ी भी नहीं थी! क्योंकि वो एक आदमी नहीं था.





डॉ. जेम्स बैरी बहादुर और जिज्ञासु था. डॉ. जेम्स बैरी ने बड़े-बड़े सपने संजोए थे. इसलिए वो सेना में भर्ती हो गया. सेना में रहकर वो दुनिया घूम सकता था!

1816 में सेना ने, डॉ. जेम्स बैरी को केप-टाउन भेजा. केप-टाउन, दक्षिण अफ्रीका का एक छोटा, दिलचस्प शहर था. दक्षिण अफ्रीका, आयरलैंड से बहुत दूर था.

डॉ. जेम्स बैरी उससे बहुत उत्साहित हुआ.





डॉ. जेम्स बैरी छोटे और पतले थे. बड़ा दिखने के लिए उन्होंने अपने कपड़ों के नीचे पैडिंग लगाई और ऊंची ऐड़ी के जूते पहने.

केप-टाउन के लोगों ने डॉ. जेम्स बैरी को कॉटनवूल डॉक्टर या "कपोक डॉक्टर" का नाम दिया.





"मैं तुम्हारे कान काट दूंगा!" चुनौती देने वाले किसी भी आदमी पर डॉ. जेम्स बैरी इस तरह चिल्लाते थे.

डॉ. जेम्स बैरी ने एक बार पिस्तौल के साथ द्वंद्व युद्ध भी किया! सौभाग्य से, दोनों प्रतिद्वंद्वियों का निशाना चूक गया.

डॉक्टर ने इतनी लड़ाई क्यों की? मारगारेट बहादुर थी, लेकिन उसे डर भी लगता था. उसे मालूम था कि अगर किसी को सच पता चल गया कि वो महिला थी, तो फिर वो डॉक्टरी प्रैक्टिस नहीं कर पाएगी. लोगों के लिए यह समझना ज़रूरी था कि डॉ. जेम्स बैरी एक पुरुष था.





डॉ. जेम्स बैरी को जब भी कुछ गलत लगा, वो तब लड़े.

केप-टाउन में, कुष्ठ रोग से पीड़ित लोगों को रोबेन द्वीप पर ले जाया जाता था. कोढ़ियों को द्वीप पर इसलिए अलग रखा जाता था जिससे कोढ़ की बीमारी अन्य लोगों में आसानी से न फैले.

पर वहां के गंदे घरों और खराब भोजन से, कुष्ठ रोगी और बीमार पड़ गए. डॉ. जेम्स बैरी ने केप-टाउन के नेताओं से, रॉबेन द्वीप के रोगियों के लिए स्वस्थ भोजन और बेहतर व्यवस्था करने की अपील की.





कई साल बाद, डॉ. जेम्स बैरी ने एक युद्ध अस्पताल में काम किया. वहां उनकी मुलाकात प्रसिद्ध नर्स फ्लोरेंस नाइटिंगेल से हुई.

फ्लोरेंस नाइटिंगेल को "द लेडी विद द लैंप" के नाम से भी जाना जाता था, क्योंकि वो रात में घायल सैनिकों की जांच करती थीं.

वो युद्ध के दौरान इसलिए प्रसिद्ध हुई क्योंकि उन्होंने सेना के नेताओं से फौजियों के लिए स्वस्थ भोजन और बेहतर व्यवस्था की मांग की.

डॉ. जेम्स बैरी कई साल पहले से ही वही चीजें मांग रहे थे.





डॉ. जेम्स बैरी ने पूरी दुनिया की यात्रा की. उन्होंने दक्षिण अफ्रीका, सेंट हेलेना, बारबाडोस, मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो, माल्टा, कोर्फू, जमैका, क्रीमिया, वेस्ट इंडीज, कनाडा ... कुल मिलकर 11 देशों में काम किया.

उन्होंने बड़ा रोमांचकारी जीवन बिताया!





1865 में, डॉ. जेम्स बैरी की मृत्यु बाद ही लोगों यह पता चला कि वो एक महिला थीं.

उसी वर्ष, डॉ. एलिजाबेथ गैरेट एंडरसन, ग्रेट-ब्रिटेन में डॉक्टर बनने वाली पहली महिला बनीं.

डॉ. जेम्स बैरी ने हमें दिखाया है कि लड़कियां अगर अपना मन बना लें तो वे कुछ भी कर सकती हैं.











### Story Attribution:

This story: कॉटनवूल डॉक्टर is translated by [Arvind Gupta](#) . The © for this translation lies with Arvind Gupta, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: '[The Cottonwool Doctor](#)', by [Michelle Matthews](#) . © Book Dash , 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

### Images Attributions:

Cover page: [Man looking at us](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: [Man and woman fighting with sticks](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: [Woman bandaging a teddy bear](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: [Woman climbing a ladder at the library](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: [Man holding a coat on a hanger](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: [Man writing with quill](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: [Man pointing at Africa on a map](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: [Man sitting by a window](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: [Woman shooting at something](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: [People standing at the shore](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: [https://www.storyweaver.org.in/terms\\_and\\_conditions](https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions)



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>





This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following [link](#).

### Images Attributions:

Page 11: [Woman holding a lantern](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: [Ship sailing in the seas](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: [Pictures of a man and a woman](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: [A top hat](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: [Lots of teddy bears](#), by [Jean de Wet](#) © Book Dash, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: [https://www.storyweaver.org.in/terms\\_and\\_conditions](https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions)



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>



# काँटनवूल डॉक्टर

(Hindi)

मारगारेट चतुर और जिज्ञासु थी. मारगारेट ने बड़े सपने संजोए थे. लेकिन 200 साल पहले, कोई भी लड़की डॉक्टर नहीं बन सकती थी. इसलिए मारगारेट ने अपने बाल काट लिए और उसने एक लड़के के कपड़े पहने. फिर किसी को यह पता नहीं चला कि मारगारेट एक लड़की थी. अब वो जेम्स बैरी बन गई थी.

This is a Level 2 book for children who recognize familiar words and can read new words with help.



Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!